विहार विधान-सभा वादवृत्त ।

वृहस्पतिवार, तिथि १ मई, १९५८ ।

विषय सूची ।

		पृष्ठ ।
प्रश्नों के मौखिक उत्तर—		
अतारांकित प्रश्न संख्या ..	५१, ९७..	१—५
तारांकित प्रश्न संख्या ..	७५, ११०३, ११०४, ११०५, ११०६	५—१९
प्रश्नों के लिखित उत्तर —		
अनागत प्रश्न संख्या ..	५१, ८१, २४२, ५३४, ५५८, ५६०, ५६८, ५६९, ७६०—७६३, ७६५—७६७, ७६९—७७३, ७७६—७८३, ७८५, ७८६, ७८८—७९३, ७९८—८०६, ८११—८१५, १०७९, १०८०, १०८७, १०९१, १०९६, ११०२, ११०७, ११०९, १११९—१११५, १११७, ११२१-११२२, ११२६, ११३०, ११३१।	२०—५८
दैनिक निबन्ध		५९

नोट —जिन सदस्यों एवं मंत्रियों ने अपना भाषण संशोधित नहीं किया है उनके नाम के आगे ऐसा (*) चिन्ह लगा दिया गया है ।

(३) सीताराम यादव की स्त्री और पुत्र और भतीजे को जिनका सम्बन्ध इस हत्या से बतलाया जाता है और जो अभीतक लापता हैं ढूंढने का प्रयत्न हो रहा है ताकि उनसे पूछताछ की जा सके। पुलिस के समक्ष सीताराम यादव द्वारा अपराध की स्वीकृति की जांच की जा रही है। सीताराम यादव द्वारा प्रस्तुत किए गए खून से लगे कपड़े केमिकल जांच के लिए भेजे गए हैं। अन्य अभियुक्तों का इस सम्बन्ध में कहां तक हाथ है उसकी जांच की जा रही है और उनके पकड़ने के लिए भी कार्रवाई हो रही है।

श्री जयनारायण झा "विनीत"—जितनी गिरफ्तारी हुई है इस सम्बन्ध में उनमें कितने ऐसे व्यक्ति हैं जो पहले से कुख्यात थे ?

श्री ललितेश्वर प्रसाद शाही—इसके लिए नोटिस चाहिए।

श्री जयनारायण झा "विनीत"—सीताराम जिसने कनफेस किया है वह कुख्यात है या नहीं ?

अध्यक्ष—इसका जवाब अभी नहीं दिया जा सकता है।

श्री जयनारायण झा "विनीत"—क्या यह बात सही है कि श्री लक्कड़बाबा के पास गोशाला बनाने के लिये चार हजार रुपया था जिसे हड़पने के लिये उनलोगों ने हत्या की है ?

श्री ललितेश्वर प्रसाद शाही—इसकी खबर सरकार को नहीं है। जांच-पड़ताल की जा रही है इसलिये अभी सारी बातों को सरकार कैसे कह सकती है। साथ ही सब-जुडिस भी है। यह सही है कि उनके पास पैसे थे। उसे वे बराबर पास ही में रखते थे। एक आदमी उनसे चार सौ रुपया मांगने आया था लेकिन वे नहीं दिये। इस बात को भी जांच-पड़ताल के समय ध्यान में रखकर काम किया जा रहा है। इसपर भी काम हो रहा है।

फारबिसगंज में राष्ट्रीय विस्तार सेवा-खंड।

१२३। श्री शीतल प्रसाद गुप्त—क्या मुख्य मंत्री यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि पूर्णिया जिला के फारबिसगंज पूर्व में इस वर्ष राष्ट्रीय विस्तार सेवा-खंड खोलने का निश्चय किया गया था ;

(२) क्या यह बात सही है कि फारबिसगंज का पूर्वी इलाका लगभग छः महीनों तक पानी से घिरा रहता है, और इलाका काफी पिछड़ा एवं उपेक्षित है ;

(३) क्या सरकार खंड (२) को मद्दे नजर रखकर इस वर्ष इस इलाके में राष्ट्रीय विस्तार सेवा-खंड खोलने का विचार कर रही है, यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ललितेश्वर प्रसाद शाही—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(२) और (३) इस साल पूर्णिया जिले में एक ब्लौक दिया गया है। यह बात सही है कि पूर्णिया जिले में तीन ब्लौक खुलनेवाला था, पहले के कार्यक्रम के अनुसार। लेकिन पहले के कार्यक्रम के अनुसार इस प्रान्त में १९५८-५९ में ९२ ब्लौक खुलने को था जिसमें अभी सरकार २३ खोलने जा रही है। इसको वजह से पहले के कार्यक्रम के अनुसार ब्लौक नहीं खुलने जा रहा है। ब्लौक का सबसे कम हिस्सा किशुनगंज में पड़ता था इसलिए उसी को दिया गया। कौभरेज का परसेन्टेज इस प्रकार है: सदर सब-डिवोजन ४५.४, कटिहार ५४.५, किशुनगंज २८.५ और अररिया ४४.४।

*श्री चन्द्रशेखर प्रसाद सिंह—डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट कमिटी के सामने यह बात आयी थी या नहीं?

श्री ललितेश्वर प्रसाद शाही—जी हां, उनकी सिफारिश के कारण ही यह किया गया। उन्होंने तीन जगह ब्लौक खोलने की सिफारिश की थी, लेकिन सरकार एक ही जगह खोल सकी।

श्री चन्द्रशेखर प्रसाद सिंह—तीन जगहों में किस जगह ब्लौक खोला जाय इसके लिए भी कमिटी ने सिफारिश की थी?

श्री ललितेश्वर प्रसाद शाही—इस विषय पर कमिटी की राय नहीं ली गयी थी।

तारांकित प्रश्नोत्तर।

Starred Questions and Answers.

बेलागंज बाजार में विस्फोट कांड।

८६२। श्री रामानन्द तिवारी—क्या मुख्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि गया जिले के बेला थाने के बेलागंज बाजार में श्री नवीहसन रंगरेज पड़ाका आदि बनाने का कार्य करता है;

(२) क्या यह बात सही है कि कई बार विस्फोट हो जाने से कई आदमी मर गए हैं और कितने घायल हो चुके हैं और आस-पास के मकानों को भी बड़ी भारी क्षति उठानी पड़ी है;

(३) क्या यह बात सही है कि बेलागंज बाजार के नागरिकों ने दर्जनों बार थाना से लेकर जिलाधीश तक उपर्युक्त कांडों के विषय में लिखा-पढ़ी किया है मगर आज तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई;

(४) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार किसी निष्पक्ष और भिन्न व्यक्ति द्वारा विस्फोट कांडों की जांच-पड़ताल करवा कर उचित कार्रवाई करेगी?